पीडीआईएल में 72वां गणतंत्र दिवस समारोह

प्रोजेक्टस एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड (पीडीआईएल), मिनी रत्न श्रेणी- I उर्वरक विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के नियंत्रणाधीन भारत सरकार के उपक्रम के निगमित कार्यालय नोएडा एवं वदोदरा कार्यालय में 26 जनवरी 2021 को राष्ट्र का 72वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा (भा.प्र.से.) ने निगमित कार्यालय मे निदेशक (वित्त) एवं वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। कार्यक्रम का आयोजन कोविड-19 के सुरक्षा नियमों को ध्यान में रखते हुए किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने अपने सम्बोधन में राष्ट्रीय तिरंगे को नमन करते हुए राष्ट्र के शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किये तथा पीडीआईएल परिवार के सभी सदस्यों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने पीडीआईएल की गतिविधियों एवं प्रगति की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2019-20 मे पीडीआईएल ने **142.16** करोड़ रुपय की उच्चतम आय, **133.01** करोड़ रुपय का उच्चतम परिचालन से राजस्व, **45.85** करोड़ रुपय का उच्चतम कर पूर्व लाभ एवं **31.83** करोड़ रुपय का उच्चतम कर पश्चात लाभ अर्जित किया है तथा भारत सरकार को 9.55 करोड़ रुपय का लाभांश दिया एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष 2020-21 मे पीडीआईएल ने अभी तक 135.15 करोड़ रुपय का व्यवसाय मेसर्स तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, इफ्फको, जीएनएफसी, आरसीएफ से प्राप्त किया है। उन्होने पीडीआईएल के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कार्मिकों को बधाई दी एवं विश्वास जताया कि इस वित्तीय वर्ष में हम गत वर्ष से भी अधिक मुनाफा अर्जित करने मे सफल होंगे तथा वित्तीय वर्ष 2019-20 में भी पुन: समझौता ज्ञापन मे 'बहुत अच्छा' मानक अंक प्राप्त होने की संभावना है।

उन्होने आगे कहा कि मानव संसाधन के क्षेत्र में भी पीडीआईएल प्रबंधन सदैव प्रयत्नशील है। वेतन पुनरीक्षण की दिशा में कार्य हो रहा है और प्रस्ताव मंत्रालय विचार हेतु भेजा जा चुका है। कार्मिकों के कार्यालयीन जीवन में संतुलन और तनाव रहित बनाने हेतु कुछ आंतरिक खेलों के लिए भी प्रबंध किया गया है तथा 1 जनवरी 2021 से 53 कार्मिकों की पदोन्नति की गई है।

उन्होने कार्मिकों से अनुरोध किया कि जिन परियोजनाओं के लिए पीडीआईएल सलाहकार के रूप में काम कर रहा है उनके कार्यान्वयन में प्रभावशीलता और ग्राहक संतुष्टि जैसे अन्य मापदंडों में हमें अतिरिक्त सुधार के साथ प्रदर्शन करने का प्रयास करना है एवं मनुशक्ति घंटे को सही तरीके से उपयोग करना है। उन्होने उच्च गुणवत्ता, शून्य त्रुटि एवं समयबद्धता को अपनी कार्यशैली का हिस्सा बनाने पर बल दिया है।